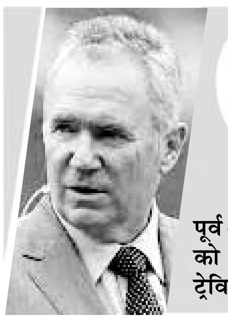

मैंने स्पिन के अनुकूल विकेटों पर बल्लेबाजी को लेकर उससे बात की है। उसे सीखना होगा कि स्वीप कैसे करना है और इसे अच्छी तरह कैसे करना है। उसे अपने कदमों का इस्तेमाल करना होगा। - एलन बॉर्डर

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, भारत दौरे को लेकर ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाज ट्रेविस हेड को सलाह देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ मिताली राज

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने महिला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन सत्र के जरिये क्रिकेट में वापसी का अंदेशा दिया है। मिताली ने सोमवार को आईसीसी की '100 क्रिकेट' पोडकास्ट पर कहा, मैंने उस विकल्प (महिला आईपीएल) को खुला रखा है। मैंने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। अभी महिला आईपीएल के आयोजन में कुछ समय बाकी है। उसके पहले सत्र का हिस्सा बनना मज़ेदार होगा। उल्लेखनीय है कि बहुप्रतीक्षित महिला आईपीएल की शुरुआत अगले वर्ष होनी है।

क्या आप जानते हैं ?... ओलंपिक में सफेद रंग के झंडे में पांच छल्ले होते हैं। नीले, पीले, काले, हरे और लाल रंग के ये छल्ले दुनिया के पांच महाद्वीपों के प्रतीक है।

एम्यूसन ने 100 मीटर बाधा, डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट में बनाया विश्व रिकॉर्ड

यूजीन, 25 जुलाई। नाइजीरिया की टोबी एम्यूसन ने रविवार (भारत में सोमवार सुबह) को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 100 मीटर बाधा दौड़ में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया, जबकि स्वीडन के मोंडो डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा। 25 वर्षीय एम्यूसन ने यूजीन में हुए फाइनल में 12.12 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण जीतते हुए नया रिकॉर्ड स्थापित किया। उन्होंने 100 मीटर बाधा दौड़ में अमेरिका की केंड्रा हैरिसन का 2016 में बनाया गया 12.20 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ा। दूसरी ओर, स्वीडन के ओलंपिक चैंपियन डुप्लांटिस ने अपने पुराने विश्व पोल वॉल्ट रिकॉर्ड में एक सेंटीमीटर और जोड़ते हुए पहली बार अंतरराष्ट्रीय सरज़मीन पर विश्व खिताब जीता। 22 वर्षीय डुप्लांटिस ने अपने स्वयं के 6.20 मीटर के रिकॉर्ड में सुधार करते हुए विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप ओरेगन 2022 में 6.21 मीटर की ऊंचाई को पार किया। यह पांचवीं बार है जब डुप्लांटिस ने विश्व रिकॉर्ड में सुधार किया है। उन्होंने पहली बार फरवरी 2020 में टोरुन में अपनी 6.17 मीटर की ऊंचाई पार करने के साथ 2014 में डोनेट्स्क में रेनॉड लैविलीन द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को एक सेंटीमीटर से तोड़ा था। डुप्लांटिस ने कहा, मेरा ध्यान पदक पर था। आमतौर पर, यह (विश्व रिकॉर्ड) हमेशा मेरे दिमाग में कहीं न कहीं होता है, लेकिन आज मैं जीत पर ध्यान केंद्रित कर रहा था।

श्रेयस अय्यर अर्द्धशतक को शतक में नहीं बदल पाने से निराश

पोर्ट ऑफ स्पेन, 25 जुलाई। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर वेस्टइंडीज के वर्तमान दौरे में शानदार फॉर्म में हैं लेकिन वह अपने अर्धशतकों को शतक में नहीं बदल पाने से निराश हैं। अय्यर ने दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 71 गेंदों पर 63 रन बनाए और भारत की दो विकेट से रोमांचक जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने संजू सैमसन के साथ चौथे विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की। सैमसन ने 54 रन बनाए जबकि बाद में अक्षर पटेल ने नाबाद 64 रन बनाकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। भारत की पहले वनडे में तीन रन से जीत में 54 रन बनाने वाले अय्यर ने कहा कि वह अगले मैच में शतक बनाने की कोशिश करेंगे। अय्यर ने मैच के बाद कहा, '' मैंने आज जो स्कोर किया उससे मैं खुश हूं लेकिन जिस तरह से मैं आउट हुआ उससे नाखुश हूं। मुझे टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचाना चाहिए था। मैंने अच्छी शुरुआत की लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से अपना विकेट गंवाया। उम्मीद है कि अगले मैच में मैं इससे बेहतर प्रदर्शन करूंगा और शतक बनाने में सफल रहूंगा।'' इस 27 वर्षीय बल्लेबाज को अफसोस है कि वह अब तक शतक नहीं जमा पाए हैं। उन्होंने कहा, ''पिछली बार भी मेरा अच्छा कैच लपका गया था। निश्चित तौर पर मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने अपना विकेट आसानी से गंवाया लेकिन मुझे अपनी अच्छी शुरुआत को शतक में बदलना चाहिए था। पर मैं टीम की जीत में योगदान देकर खुश हूं।''

वेस्टइंडीज दौरे के लिए विलियम्सन, बोल्ट और साउदी की न्यूज़ीलैंड टीम में वापसी

वेलिंगटन, 25 जुलाई। न्यूज़ीलैंड ने वेस्टइंडीज़ के सफ़ेद गेंद प्रारूप के दौरे के लिए अपनी ताक़तवर टीम चुनी हैं, जहां पर कप्तान केन विलियमसन समेत छह वरिष्ठ खिलाड़ियों को चुना गया है, जिन्हें यूरोप के दौरे के लिए आराम दिया गया था। विलियमसन, ट्रेंट बोल्ट, डेवन कॉन्वे, टिम साउदी इंग्लैंड के ख़िलाफ़ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज़ खेलने के बाद जून के अंत में स्वदेश लौट आए थे और टॉम लेथम ने आयरलैंड के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ में कप्तानी की थी। मैट हेनरी भी आयरलैंड के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ खेलने के बाद टीम से अलग हो गए थे और केंट के लिए काउंटी क्रिकेट से जुड़े। अब ये सभी वेस्टइंडीज़ के दौरे के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम में वापसी कर रहे हैं, जहां टीम को टी20 और वनडे सीरीज़ खेलनी है। दौरे की शुरुआत जमैका में 10 अगस्त से तीन टी20 मैचों की सीरीज़ से होगी, इसके बाद बारबाडोस में तीन वनडे खेले जाएंगे। इस सीरीज़ के साथ न्यूज़ीलैंड की अक्तूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की असल तैयारी शुरू हो जाएगी, क्योंकि कुछ समय आराम करने के बाद अब वरिष्ठ खिलाड़ी टीम के साथ जुड़ जाएंगे। विलियमसन के केस में आराम और चोट दोनों ही वजह रही हैं। विलियमसन का पिछला टी20 पिछले साल टी20 विश्व कप का फ़ाइनल था, जहां न्यूज़ीलैंड को हार का सामना करना पड़ा था।

दिल्ली एफसी की भारतीय वायुसेना पर रोमांचक जीत

नयी दिल्ली, 25 जुलाई। डीएसए लीग चैंपियन दिल्ली एफसी ने अपनी ख्याति के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए सोमवार को यहां अंबेडकर स्टेडियम पर दिल्ली प्रीमियर लीग में भारतीय वायु सेना की विजयी उड़ान को 2-1 से रोक दिया। विजेता टीम की जीत का हीरो नाइजीरियन स्ट्राइकर आर्थर डेसमोस रहा जिसने दोनों शानदार गोल किए और अपनी टीम को लगातार तीसरी जीत दिलाई।वायुसेना का गोल जीको जोरेम सांगा ने विवेक कुमार के पास पर किया। दिन के दूसरे मैच में तरुण संघा ने उत्तराखंड को 3-2 से हराकर पहली जीत दर्ज की। विजेता के लिए श्याम कुमार जॉय मेस्सी और स्टेनले ने गोल जमाए। पराजित टीम के गोल मैन ऑफ द मैच अर्जुन बिष्ट और शोबित भंडारी ने किए। अंक तालिका में टॉप पर चल रही वायुसेना और दिल्लीएफसी के बीच खेले गए मैच में दोनों टीमें अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरीं लेकिन बेहतर रणनीति से खेलते हुए दिल्ली एफसी ने मुश्किल लग रही जीत को आसान कर दिया।

राष्ट्रमंडल खेल से तीन दिन पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना ने लगाया मानसिक प्रताड़ना का आरोप

संध्या गुरुंग को टीम का हिस्सा बनाने की कोशिश में है बॉक्सिंग फैडरेशन

नयी दिल्ली, 25 जुलाई। भारतीय मुक्केबाजी संघ यह सुनिश्चित करने की कोशिश में है कि संध्या गुरुंग बर्मिंघम में टीम का हिस्सा बन सके और इसके लिए वह भारतीय ओलम्पिक संघ के साथ काम कर रहा है। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज़ लवलीना बोरगोहेन ने शीर्ष आयोजन राष्ट्रमंडल खेलों से तीन दिन पहले 'मानसिक उत्पीड़न' का आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी कोच को खेल गांव में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है।

लवलीना ने सोमवार को ट्विटर पर एक पोस्ट साझा करके कहा, आज मैं बड़े दुख के साथ कहती हूं कि मेरे साथ बहुत उत्पीड़न हो रहा है। हर बार मेरे कोच, जिन्होंने मुझे ओलंपिक में पदक लाने में मदद की, उन्हें हटाकर मेरी ट्रेनिंग में बाधा डाली जा रही है। इनमें से एक कोच संध्या गुरुंगजी द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित हैं। मेरे दोनों कोचों को हज़ार बार हाथ जोड़ने के बाद कैंप में ट्रेनिंग के लिये बहुत देर से शामिल किया जाता है। मुझे इससे ट्रेनिंग में बहुत परेशानियां उठानी पड़ती हैं, और मानसिक उत्पीड़न तो होता ही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी कोच संध्या गुरुंग को खेल गांव में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही थी, जबकि उनके दूसरे कोच को वापस भारत भेज दिया गया था।उन्होंने लिखा, अभी मेरी कोच संध्या गुरुंग जी राष्ट्रमंडल खेल गांव के बाहर खड़ी हैं और उन्हें प्रवेश करने नहीं दिया जा रहा है, और मेरी ट्रेनिंग खेलों के आठ दिन पहले रुक गयी है। मेरे दूसरे कोच को भारत वापस भेज दिया गया है। मेरे बहुत विनती करने के बाद भी ऐसा हुआ है और इससे मेरा मानसिक उत्पीड़न हुआ है। मुझे समझ नहीं आ रहा है कि मैं खेलों पर कैसे ध्यान केंद्रित करूं।

खेल और युवा मामलों के मंत्रालय ने लवलीना बोरगोहेन की 'मानसिक उत्पीड़न' की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को आदेश दिया है कि वह लवलीना की कोच के प्रमाणन का इंतज़ाम करे। इसके कुछ देर बाद मुक्केबाजी महासंघ ने रात में इस मामले पर बयान जारी कर कहा,खिलाड़ी दल के 33 प्रतिशत को सपोर्ट स्टाफ के रूप में प्रवेश की अनुमति है। मुक्केबाजी महासंघ के मामले में 12 मुक्केबाजों (आठ पुरुष और चार महिला) के लिए चार सपोर्ट स्टाफ (कोचों सहित) बनते हैं जो टीम के साथ बर्मिंघम की यात्रा कर रहे हैं।

मुक्केबाजी के सन्दर्भ में कोचों और सपोर्ट स्टाफ को लेकर आवश्यकताएं कुछ अलग हैं। भारतोय ओलम्पिक संघ मुक्केबाजी संघ के दृष्टिकोण को समझता है और इसलिए उसने अधिकतम सपोर्ट स्टाफ देकर मदद की है। ओलम्पिक संघ की मदद से सपोर्ट स्टाफ की संख्या 12 मुक्केबाजों के पूरे दल के लिए चार से बढ़कर आठ पहुंच गयी है। मुक्केबाजी महासंघ ने यह सुनिश्चित किया कि संध्या गुरंग आयरलैंड में ट्रेनिंग कैंप में रहे। फेडेरशन आईओए के साथ नजदीकी रूप से काम कर रहा है कि संध्या गुरुंग बर्मिंघम में टीम का हिस्सा बने। इस बीच डेलीगेट ट्रांसपोर्ट और ईटीओ होटल में ठहरने की व्यवस्था उन्हें पहले ही उपलब्ध करा दी गयी है।

लवलीना की कोच के प्रमाणन का तुरंत इंतजाम हो : खेल मंत्रालय

नयी दिल्ली, 25 जुलाई। खेल और युवा मामलों के मंत्रालय ने सोमवार को मुक्केबाज़ लवलीना बोरगोहेन की 'मानसिक उत्पीड़न' की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को आदेश दिया है कि वह लवलीना की कोच के प्रमाणन का इंतज़ाम करे। मंत्रालय के खेल विभाग ने ट्विटर पर लवलीना की शिकायत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हमने भारतीय ओलंपिक महासंघ से अनुरोध किया है कि लवलीना बोरगोहेन की कोच के प्रमाणन के लिये तुरंत इंतज़ाम किया जाए।

श्रीलंका की फिरकी में उलझा पाकिस्तान

गॉल, 25 जुलाई। श्रीलंका ने रमेश मेंडिस (तीन विकेट) और प्रभात जयसूर्या (दो विकेट) की फिरकी की बदौलत दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन सोमवार को पाकिस्तान के सात विकेट झटक लिये। श्रीलंका के 378 रन के जवाब में पाकिस्तान सिर्फ 191 रन बना सकी है और 187 रन से पीछे चल रही है।

श्रीलंका ने पहली पारी में ओशादा फर्नांडिस (50),दिनेश चांदिमल (80), और निरोशन डिकवेला (51) के अद्धर्शतकों की बदौलत पहली पारी में 378 रन बनाये थे। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाज़ों ने विकेट में मौजूद उछाल का पूर्ण प्रयोग करते हुए पाकिस्तानी बल्लेबाज़ी की कमर तोड़ दी।

पहले टेस्ट में 160 रन की नाबाद पारी खेलकर पाकिस्तान को जिताने वाले अब्दुल्लाह शफीक पहली पारी में शून्य रन ही बना सके। इमाम-उल-हक़ (32) एक बार फिर अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं तब्दील कर पाये। कप्तान बाबर आज़म (16) को जहां जयसूर्या ने आउट किया, वहीं मेंडिस ने विकेटकीपर मोहम्मद रिज़वान (24) और फ़वाद आलम (24) को पवेलियन लौटाया। मध्यक्रम की असफ़लता के बाद आग़ा सलमान ने जुझारू पारी खेलते हुए अद्धर्शतक जड़ा, लेकिन वह भी दिन के अंत में जयसूर्या का शिकार हो गये। सलमान ने 126 गेंदों की अपनी पारी में चार चौकों और एक छक्के की बदौलत 62 रन बनाये। सलमान का विकेट गिरते ही दिन का खेल समाप्त कर दिया गया। यासिर शाह 61 गेंदों पर 13 रन बनाकर क्रीज़ पर मौजूद हैं, जबकि श्रीलंका दूसरी पारी में विशाल बढ़त हासिल करने की फिराक में है।

इससे पहले, श्रीलंका ने दूसरे दिन 315/6 के स्कोर से शुरुआत करते हुए अंतिम चार विकेट गंवाने से पहले 64 रन जोड़े। डिकवेला ने तेज़ खेलते हुए 54 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की बदौलत 51 रन बनाये। इसके अलावा रमेश मेंडिस ने 35 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

नसीम शाह ने दिन की शुरुआत में क्रीज़ पर मौजूद बल्लेबाज़ों को बिना समय व्यर्थ किये छोटी गेंदों की भेंट चढ़ाया। इसके बाद यासिर शाह ने एक गुगली और एक फ्लिपर की मदद से अंतिम दो विकेट चटकाये। नसीम और यासिर ने कुल तीन-तीन विकेट लिये। मोहम्मद नवाज़ ने दो जबकि नौमान अली ने एक विकेट हासिल किया।

भारत ने विंडीज को दूसरे वनडे में दो विकेट से हराया

पोर्ट ऑफ़ स्पेन, 25 जुलाई। भारत ने अक्षर पटेल (64), श्रेयस अय्यर (63), और संजू सैमसन (54) के शानदार अद्धर्शतकों की बदौलत वेस्ट इंडीज़ को दूसरे एकदिवसीय मैच में दो विकेट से शिकस्त दी। वेस्ट इंडीज़ ने रविवार को क्वीन्स पार्क ओवल में खेले गये मैच में भारत के सामने 50 ओवर में 312 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे भारत ने दो गेंद रहते हासिल कर लिया।

भारत ने 44.1 ओवर में दीपक हुड्डा के रूप में आखिरी बल्लेबाज़ का विकेट गंवा दिया था, और उसे 35 गेंदों में 56 रन की ज़रूरत थी। एक समय पर ऐसा लग रहा था कि भारतीय टीम यह मैच हार जाएगी, लेकिन अक्षर पटेल उर्फ 'बापू' ने 35 गेंदों पर 182.86 के स्ट्राइक रेट से 64 रन बनाकर भारत को जीत दिलायी। अक्षर ने अपनी पारी में तीन चौके और पांच छक्के जड़े।

इससे पहले, वेस्ट इंडीज़ ने शाई होप (115) के शतक और निकोलस पूरन (74) के अद्धर्शतक की बदौलत भारत के सामने 50 ओवर में 312 रन का लक्ष्य रखा था। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए सलामी बल्लेबाज़ होप और काइल मेयर्स ने वेस्ट इंडीज़ को ठोस शुरुआत दी और पहले विकेट के लिये 65 रन जोड़े। होप ने एक छोर संयम के साथ संभाला, जबकि मेयर्स ने तेज़ खेलते हुए 23 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाये। मेयर्स के आउट होने के बाद क्रीज़ पर आये शमारह ब्रूक्स ने 35(36) रन की पारी खेली। अक्षर पटेल ने ब्रूक्स को और युज़वेंद्र चहल ने ब्रेंडन किंग (0) को पवेलियन लौटाकर भारत को क्षिणक राहत दिलायी, मगर इसके बाद क्रीज़ पर आये कप्तान निकोलस पूरन ने होप के साथ 117 रन की साझेदारी कर भारत को पुनः दबाव में डाल दिया। पूरन ने 77 गेंदों की अपनी पारी में एक चौका और छह छक्के लगाकर 74 रन बनाये। शार्दुल ठाकुर ने पूरन को आउट कर शतकीय साझेदारी को तोड़ा। साथ ही उन्होंने विस्फोटक बल्लेबाज़ रोवमैन पॉवेल (13) को भी हाथ खोलने से पहले ही पवेलियन लौटा दिया।

पहली पारी में वेस्ट इंडीज़ के हीरो रहे शतकवीर होप जिन्होंने ठाकुर की गेंद पर आउट होने से पहले 135 गेंदों पर 115 रन बनाये। वह मैच के 49वें ओवर तक एंकर का किरदार निभाते रहे जिसकी बदौलत वेस्ट इंडीज भारत के सामने यह विशाल स्कोर खड़ा कर सकी। भारत की ओर से शार्दुल ठाकुर ने सात ओवर में 54 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट लिये, जबकि दीपक हुड्डा (नौ ओवर, 42 रन), अक्षर पटेल (नौ ओवर, 40 रन) और युज़वेंद्र चहल (नौ ओवर, 69 रन) को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

अक्षर ने एक मेडन ओवर भी डाला। मोहम्मद सिराज को कोई विकेट नहीं मिला, हालांकि उन्होंने किफायती गेंदबाज़ी करते हुए 10 ओवर में एक मेडेन के साथ 47 रन दिये। अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय में अपना पदार्पण कर रहे आवेश खान महंगे साबित हुए और उन्होंने छह ओवर में 54 रन दिये। जब भारत 312 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो पहले मैच में 97 रन बनाने वाले कप्तान शिखर धवन 31 गेंदों पर 13 रन की असहज पारी खेलकर पवेलियन लौट गये।

शेफाली पीढ़ियों में एक बार आने वाली खिलाड़ी : मिताली

बई, 25 जुलाई। भारत की पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और कप्तान मिताली राज ने सोमवार को कहा कि शेफाली वर्मा पीढ़ियों में एक बार आने वाली खिलाड़ी है जिसमें किसी भी विरोधी टीम के खिलाफ अकेले दम पर मैच जिताने की क्षमता है।

हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने वाली मिताली 18 साल की शेफाली के शॉट में जिस तरह की ताकत होती है उससे हैरान हैं। मिताली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के 100 परसेंट 'क्रिकेट पोडकास्ट' पर कहा, ''मैं उसके खेल की बड़ी प्रशंसक हूं। मैंने देखा है कि वह ऐसी खिलाड़ी है जिसमें किसी भी आक्रमण या किसी भी टीम के खिलाफ भारत को अकेले दम पर जीत दिलाने की क्षमता है।'' शेफाली ने घरेलू क्रिकेट में खेलते हुए तुरंत ही मिताली पर छाप छोड़ी दी थी। मिताली ने कहा, ''मैंने शेफाली को भारतीय रेलवे के खिलाफ घरेलू मैच में खेलते हुए देखा था, उसने अर्धशतक जड़ा लेकिन मैं ऐसी खिलाड़ी की झलक देख सकती थी जो अपनी सिर्फ एक पारी से पूरे मैच को बदल सकती थी।'' उन्होंने कहा, ''जब वह चैलेंजर ट्रॉफी के पहले सत्र में वेलोसिटी के लिए खेली तो वह मेरी टीम की ओर से खेली और मैंने देखा कि उसमें क्षमता और ताकत है जो आपको इस उम्र में बेहद कम देखने को मिलती है। बाउंड्री के बाहर शॉट मारने की क्षमता। अपनी मर्जी से छक्के मारने की क्षमता।''

भारतीय टेबल टेनिस टीम के लिए आसान नहीं होगा बर्मिंघम में गोल्ड कोस्ट की बराबरी करना

लंदन, 25 जुलाई। पिछली बार गोल्ड कोस्ट में नई ऊंचाइयां हासिल करने वाली भारतीय टेबल टेनिस टीम यदि बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 2018 की बराबरी भी कर लेती है तो यह उसके लिए बड़ी उपलब्धि होगी। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे। इनमें से दो स्वर्ण सहित आधे पदक मनिका बत्रा ने जीते थे जिसके बाद उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ गई थी।

दिल्ली की रहने वाली इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने सिंगापुर की ओलंपिक पदक विजेता फेंग तियानवेइ को एक बार नहीं बल्कि दो बार हराकर भारत को व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक दिलाया था। सिंगापुर की 35 वर्षीय खिलाड़ी अब बर्मिंघम में मनिका से बदला लेने के लिए तत्पर होंगी।

भारतीय महिला टीम इस समय थोड़ा बदली हुई नजर आएगी। विश्व में 41वीं रैंकिंग की मनिका के साथ श्रीजा अकुला, रीत ऋष्य और दिया चिताले भारतीय चुनौती पेश करेंगी। अपने पांचवें और आखिरी राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले रहे भारत के सर्वश्रेष्ठ टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल, सदाबहार जी साथियान, हरमीत देसाई और सानिल शेट्टी भारतीय पुरुष टीम की चुनौती पेश करेंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों से पहले भारतीय खिलाड़ियों ने पुर्तगाल में अभ्यास किया और उसके बाद हंगरी में प्रतियोगिता में भाग लिया। भारतीय टेबल टेनिस टीम का गठन करना आसान नहीं रहा क्योंकि तीन खिलाड़ियों ने चयन नहीं होने पर अदालत का दरवाजा खटखटा दिया था। इनमें से केवल चिताले को ही फायदा हुआ जिन्हें अर्चना कामत की जगह टीम में लिया गया। कामत खेलों में मनिका के साथ युगल जोड़ी बना सकती थी।

चार सदस्यीय पुरुष दल में वही खिलाड़ी शामिल है जिन्होंने गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया था। इन खिलाड़ियों को काफी अनुभव है और उम्मीद की जा रही है कि वह टीम खिताब का बचाव करने में सफल रहेंगे। भारत को टीम स्पर्धा में इंग्लैंड और नाइजीरिया के बाद तीसरी वरीयता मिली है।

एकल में आखिरी बार 2006 में मेलबर्न में स्वर्ण पदक जीतने वाले 40 वर्षीय शरत ने कहा, ''इंग्लैंड की टीम नाइजीरिया की तुलना में थोड़ा मजबूत है। हमारा लक्ष्य निश्चित तौर पर व्यक्तिगत के अलावा टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतना है।''

वर्ल्ड एथलेटिक्स पेरिस ओलंपिक से शुरू करेगा 'रेपरेज राउंड'

मोनाको, 25 जुलाई। विश्व एथलेटिक्स परिषद ने सोमवार को पेरिस में 2024 ओलंपिक खेलों के लिए नियमित प्रतियोगिता प्रारूप में एक नवाचार को मंजूरी दे दी, जिसमें बाधा दौड़ सहित 200 मीटर से 1500 मीटर की दूरी के सभी व्यक्तिगत ट्रैक स्पर्धाओं के लिए 'रेपेचेज राउंड' की शुरुआत की गई।

नए रेपेचेज प्रारूप में, जो एथलीट पहले राउंड की हीट में क्वालीफाई नहीं करते हैं, उनके पास रेपेचेज हीट में भाग लेकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने का दूसरा मौका होगा। यह पहले दौर की हीट (क्यू) में शीर्ष स्थान के अलावा सबसे तेज समय (क्यू) के माध्यम से आगे बढ़ने वाले एथलीटों की पूर्व प्रणाली की जगह लेगा।अब इन प्रतियोगिताओं में पहला चरण, रेपेचेज चरण, सेमीफाइनल और फाइनल सहित चार राउंड आयोजित होंगे। नये प्रारूप की बदौलत ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने वाले हर एथलीट के पास कम से कम दो मौके होंगे।

नए रेपेचेज प्रारूप में, जो एथलीट पहले राउंड की हीट में क्वालीफाई नहीं करते हैं, उनके पास रेपेचेज हीट में भाग लेकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने का दूसरा मौका होगा। शासी निकाय ने एक बयान में कहा कि चूंकि 100 मीटर में प्रथम राउंड से पहले प्रारंभिक हीट है, इस इवेंट में रेपेचेज को पेश नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, रेपेचेज को दूरस्थ स्पर्धाओं में पेश नहीं किया जाएगा क्योंकि राउंड के बीच उचित रिकवरी की आवश्यकता प्रारूप को अव्यवहारिक बनाती है।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा, रेपेचेज राउंड हमारे खेल को चरम ओलंपिक अवधि के दौरान अधिक जोखिम देगा और यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक निर्धारित किया जाएगा कि हमारे ओलंपिक कार्यक्रम की हर घटना सुर्खियों में बनी रहे।

साउथ अफ्रीका टी-20 लीग में डरबन फ्रैंचाइजी के प्रमुख कोच बने क्लूजनर

जोहानसबर्ग, 25 जुलाई। क्रिकेट साउथ अफ्रीका की नई टी20 लीग के लिए आरपीएसजी ग्रुप ने लांस क्लूज़नर को डरबन फ्रैंचाइज़ी का प्रमुख कोच नियुक्त किया है।

1996 और 2004 के बीच दक्षिण अफ्रीका के लिए 49 टेस्ट और 171 वनडे मैच खेलने वाले क्लूज़नर को अपने समय के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर में से एक माना जाता था। अपने टेस्ट करियर में उन्होंने 1906 रन जबकि वनडे करियर में 3576 रन बनाए। गेंद के साथ टेस्ट में उन्होंने 80 और वनडे में 192 विकेट अपने नाम किए। पूर्व क्रिकेटर होने के साथ-साथ क्लूज़नर अंतर्राष्ट्रीय कोच भी हैं।

2012 में साउथ अफ्रीकी घरेलू टीम डॉल्फ़िंस के साथ कोचिंग भूमिका निभाने के बाद 2016 में वह ज़िम्बाब्वे के बल्लेबाज़ी कोच के रूप में कार्यरत थे। 2015 में उन्हें इंग्लैंड के विरुद्ध घरेलू सीरीज़ के लिए साउथ अफ्रीकी निचले क्रम को मज़बूत करने का कार्य दिया गया था।

इन भूमिकाओं के अलावा क्लूज़नर आईपीएल में मुंबई इंडियंस के गेंदबाज़ी कोच भी रह चुके हैं। साथ ही उन्होंने दक्षिणअफ्रीका के सहायक बल्लेबाज़ी कोच के रूप में भी काम किया हैं। डरबन टीम का कोच नियुक्त किए जाने के बाद क्लूज़नर ने कहा, ''मुझे गर्व हो रहा है कि मैं आरपीएसजी परिवार से जुड़ रहा हूं।

संस्थागत नस्लीय मामलों का खुलासा होने के बाद क्रिकेट स्कॉटलैंड ने स्वतंत्र जांच शुरू की

एडिनबर्ग, 25 जुलाई। संस्थागत नस्लीय मामले आने के बाद क्रिकेट स्कॉटलैंड को अक्तूबर 2023 तक सख्त निगरानी में रखा गया है और वह स्पोर्ट स्कॉटलैंड से मिलने वाली सालाना 460,000 (3.75 करोड़ भारतीय रूपया) की रकम को गंवा भी सकती है। कंसल्टेंसी फ़र्म प्लान4स्पोर्ट द्वारा की गई चेंजिंग द बाउंड्रीज रिपोर्ट में संस्थागत नस्लवाद के कुल 448 उदाहरण सामने आए, जबकि क्रिकेट स्कॉटलैंड समस्या के पैमाने को मापने के लिए इस्तेमाल किए गए 31 परीक्षणों में से 29 में विफल रहा और मुश्किल से आवश्यक मानकों को पूरा कर पाया।

रविवार को रिपोर्ट के निष्कर्षों के बाद क्रिकेट स्कॉटलैंड के बोर्ड ने सामूहिक रूप से इस्तीफ़ा दे दिया और संस्थागत नस्लवाद से प्रभावित लोगों के लिए माफ़ी मांगी। यह सब दो विशेष खिलाड़ी माजिद हक़ और क़ासिम शेख़ के उत्पीड़न के आरोपों की समीक्षा के बाद हुआ, लेकिन यह भी स्वीकार किया गया कि समस्या का पैमाना खेल के मौजूदा शासन के दायरे से बाहर था।

प्लान4 स्पोर्ट की जांच ने स्कॉटिश क्रिकेट के सभी क्षेत्रों में लगभग 1000 प्रतिभागियों की गवाही ली और 68 व्यक्तिगत चिंताओं को रेखांकित किया जिन्हें आगे की जांच के लिए संदर्भित किया गया है, जिसमें 15 अलग-अलग लोगों, दो क्लबों और एक क्षेत्रीय संघ के खिलाफ नस्लवाद के 31 आरोप शामिल हैं। इनमें से कुछ को पुलिस स्कॉटलैंड को घृणा अपराध के रूप में भी संदर्भित किया गया है, जिसमें एक घटना भी शामिल है जिसको पहले ही अदालत में पेश किया जा चुका है। उल्लिखित आरोपों में नस्लीय दुर्व्यवहार, अनुचित भाषा, पब्लिक-स्कूल पृष्ठभूमि के बच्चों के प्रति पक्षपात और गैर-श्वेत खिलाड़ियों के चयन में पारदर्शिता की कमी शामिल है। जांच के दौरान किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 62 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने नस्लवाद या भेदभाव के अन्य रूपों की रिपोर्ट का अनुभव देखा या प्राप्त किया था।

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि स्कॉटिश क्रिकेट के भीतर विविधता की कमी का मतलब है कि नस्लवादी घटनाओं से निपटने के लिए कोई सुसंगत प्रक्रिया नहीं थी और जिन लोगों ने मुद्दों को उठाया उन्हें ''अलग-थलग या अनदेखा'' किया गया। 2015 विश्व कप से स्वदेश भेजे जाने के बाद हक का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्होंने कभी भी 54 वनडे मैचों के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में शामिल नहीं किया। क्रिकेट स्कॉटलैंड के अंतरिम सीईओ, गॉर्डन आर्थर ने रिपोर्ट के निष्कर्षों को खेल के लिए एक शर्मनाक क्षण के रूप में बताया और उन सभी के लिए हार्दिक माफ़ी जारी की जो स्कॉटिश क्रिकेट में नस्लवाद और भेदभाव के शिकार हुए हैं। आर्थर ने कहा, ''खेल में जो नस्लवाद और भेदभाव हुआ है जिसे हम सभी प्यार करते हैं, उसे कभी नहीं होने देना चाहिए। हम पहचानते हैं कि इसका व्यक्तियों और उनके परिवारों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

हमें उम्मीद है कि रिपोर्ट उन्हें कुछ आश्वस्त करेगी कि उनकी आवाज़ सुनी गई है और हमें खेद है कि यह जल्दी नहीं हुआ।'' यह रिपोर्ट स्कॉटलैंड में क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है और इसकी सिफ़ारिशों को आगे बढ़ाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

तीनों प्रारूप खेलना खिलाड़ियों के लिए कठिन : डिकॉक

जोहानसबर्ग, 25 जुलाई। क्विंटन डिकॉक ने भले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है लेकिन वह अभी भी सालभर व्यस्त रहने जा रहे हैं क्योंकि उन्होंने अलग-अलग देशों के टी20 लीग में खेलने का फ़ैसला किया है। हालांकि उन्हें सबसे लंबे प्रारूप को छोड़ने के अपने फ़ैसले पर कोई पछतावा नहीं है।

डिकॉक ने 2021 के अंत में, पहली बार पिता बनने से कुछ समय पहले, घर पर अधिक समय बिताने की इच्छा का हवाला देते हुए टेस्ट क्रिकेट छोड़ दिया था। हालांकि उनकी यह इच्छा अभी भी पूरी नहीं हुई है। टेस्ट से हटने के बाद पहली बार प्रेस वार्ता में डिकॉक ने कहा, इस (निर्णय) ने मेरे कैलेंडर को खाली नहीं किया है - कम से कम इस साल तो नहीं। मुझे कुछ लीग खेलने के लिए चुना गया है लेकिन यह मेरा अपना निर्णय है। यह अभी भी एक बलिदान है लेकिन मैं धीरे-धीरे एक ऐसी उम्र में पहुंच रहा हूं जहां मुझे यह सोचने की ज़रूरत है कि मैं कहां खेलना चाहता हूं। जब तक मैं इसे कर सकता हूं तब तक मैं ख़ुश हूं।